संगम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ की हिन्दी पत्रिका

जनवरी - मार्च 2022

मुद्रण संस्करण 04 अंक 01

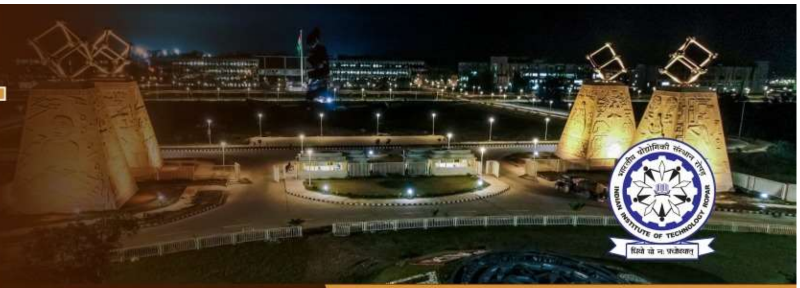

निदेशक का संदेश

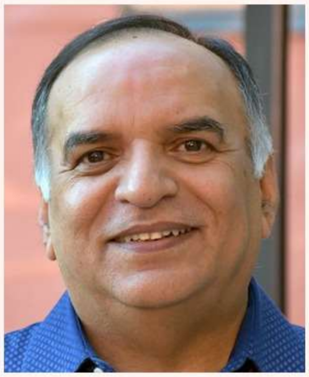

प्रिय मित्रों,

नूतन वर्ष 2022 के आरंभ और नई प्रतिबद्धताओं के साथ भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने भारत में शीर्ष अभियांत्रिकी शिक्षा प्रदाता के रुप में अपने अग्रणी स्थान को बनाए रखते हुए अनुसंधान, औद्योगिकी परामर्शी और सामाजिक बाह्यक्रियालाप गतिविधियों में अपनी सक्रिय सहभागिता के साथ निरंतर विकास की ओर अग्रसर रहा है। वर्ष 2022 की विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में भा.प्रौ.सं. रोपड़ के पदचिन्हों को देखा जा सकता है और यह आगे बढ़ता रहेगा। मैं हमारे हितधारकों के प्रति उनके अटूट विश्वास एवं सहयोग हेतु कृतज्ञता व्यक्त करता हूं जिसके फलस्वरुप हमें अपने विजन को लेकर आगे बढ़ना संभव हो पाया।

आगे बढ़ते हुए, हमने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न संस्थानों के बीच कार्यनीतिक सहयोग स्थापित किया है जो हमें प्रतिस्पर्धी होने और तकनीकी समाधान देने के माध्यम से समाज की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी ढंग से समाधान देने में सहायक सिद्ध होगा। हमारे छात्र, संकाय और कर्मचारी हमारी सबसे बड़ी संपत्ति हैं। भा.प्रौ.सं. रोपड़ में हमने सभी को कौशल विकसित करने और अधिक जिम्मेदारियां लेने का अवसर प्रदान किया है। हम शीर्ष उद्योग भागीदारों के साथ मुक्त संचार के माध्यम से अपने संकाय को भी शामिल करना जारी रखेंगे, ताकि एक अनुसंधान उन्मुख वातावरण का निर्माण किया जा सकें जहां हम हरित ग्रह के साझा लक्ष्य की दिशा में सामूहिक रुप में प्रयास करेंगे।

हमने भा.प्रौ.सं. रोपड़ में गणतंत्र दिवस, महिला दिवस तथा भा.प्रौ.सं. रोपड़ का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में योगदान की सराहना करने हेतु राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को मनाया गया। उनके समर्पण के कारण ही भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने कोविड़-19 के कठिन दौर में भी निरंतर प्रयास जारी रखा है। मुझे विश्वास है कि हम परिवर्तनों को अपनाना जारी रख सकते हैं और आने वाली नई चुनौतियों से पार पा सकते है।

मैं आशा करता हूं कि आप हमें अपना सहयोग हमेशा की तरह प्रदान करते रहेंगे क्योंकि हम 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' को प्रोत्साहित करते हुए आत्मनिर्भर, एकीकृत और उत्पादक बनने के लिए समुदाय के सहयोग की दिशा में अपने संपूर्ण प्रयास करते रहेंगे।

आप और आपके परिवार को ढेर सारी खुशियाँ, स्वास्थ्य, शांति और आनंद के साथ एक प्रगतिशील वर्ष की शुभकामनाएँ।

जय हिंद, जय भारत!

स्थापना दिवस

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने दिनांक 24 फरवरी, 2022 को संस्थान का स्थापना दिवस मनाया। महामारी की स्थिति की ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम का आयोजन आभासीय रुप में किया गया। इस अवसर पर श्री के. संजय मूर्ति, माननीय सचिव, उच्चतर शिक्षा, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने मुख्य अतिथि के रुप में समारोह की शोभा बढ़ाई और स्थापना दिवस को संबोधित किया। यह प्रथम अवसर था जब भा.प्रौ.सं. रोपड़ में स्थापना दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर भा.प्रौ.सं. रोपड़ के अभिशासक मण्डल के अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन उपस्थित थे। भा.प्रौ.सं. रोपड़ के संकाय सदस्य, कर्मचारी तथा विद्यार्थियों और अतिथियों की कम से कम प्रत्यक्ष उपस्थिति तथा अधिक से अधिक आभासीय उपस्थिति के साथ कोविड-19 के प्रतिबंधों को सुनिश्चित करते हुए समारोह का आयोजन आभासीय रुप में किया गया था।

प्रो. राजीव आहूजा ने संस्थान की यात्रा और वर्तमान में इसके विकास में द्रुत प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि कैसे परिसर में स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण है और यह अपने छात्रों को विशिष्ट रुप से एकल बैठने की जगह की पेशकश करने के लिए विकसित हुआ है।

संस्थान की हालिया उपलब्धियों पर विचार साझा करते हुए, उन्होंने कहा, "भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने भारत में एक शीर्ष अभियांत्रिकी शिक्षक के रुप में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखते हुए अनुसंधान, औद्योगिकी परामर्श और सामाजिक बाह्यक्रियाकलाप गतिविधियों में अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से एक स्पष्ट वृद्धि देखी है।" 2021 की एनआईआरएफ रैंकिंग (NIRF) ने भा.प्रौ.सं. रोपड़ को सभी अभियांत्रिकी संस्थानों में भारत में 19वें स्थान पर रखा है।

अधिक जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, भा.प्रौ.सं. रोपड़ दुनिया के शीर्ष अनुसंधान केन्द्रों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की ओर अग्रसर है। इसने एक केंद्रीय अनुसंधान सुविधा (सीआरएफ) स्थापित करने के लिए एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम शुरु किया है। सीआरएफ की स्थापना संकाय सदस्यों/स्नातक/स्नातकोत्तर/शोधार्थियों को अत्याधुनिक प्रयोगात्मक अनुसंधान/नवाचार करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए की गई है। अ.भा.अ.सं. बठिंडा और भा.प्र.सं. अमृतसर के सहयोग से भा.प्रौ.सं. रोपड़ अस्पताल प्रबंधन में स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम को बढ़ा रहा है। साथ ही, भा.प्र.सं. अमृतसर (IIM Amritsar) के साथ मिलकर भा.प्रौ.सं. रोपड़ इस वर्ष से आंकड़ा विज्ञान एवं प्रबंधन में विज्ञान निष्णात पाठ्यक्रम शुरु करने जा रहा है।

संस्थान की प्रमुख उपलब्धियां

प्रो. राजीव आहूजा शीर्ष 5 वैज्ञानिकों में

प्रो. राजीव आहूजा, निदेशक, भा.प्रौ.सं. रोपड़ को स्वीडन और भारत के शीर्ष सामग्री विज्ञान वैज्ञानिकों में स्थान दिया गया है। प्रो. राजीव आहूजा 91 के एच-इंडेक्स और 38000 उद्धरणों के साथ सामग्री विज्ञान में शीर्ष 5 वैज्ञानिकों में शामिल हैं।

यंग यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2022

भारतीय भौतिक विज्ञानी सी. वी. रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज के उपलक्ष्य में दिनांक 28 फरवरी 2022 को राष्ट्रव्यापी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में भा.प्रौ.सं. रोपड़ शामिल हुआ। पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ के पूर्व कुलपति प्रोफेसर अरुण ग्रोवर ने "भारत में अनु. एवं विका. के प्रवर्तक" विषय पर व्याख्यान दिया।

पुरस्कार एवं मान्यता

अर्ध –स्वचलित खाद्य प्रसंस्करण उपकरण

भा.प्रौ.सं. रोपड़ के शोधकर्ताओं ने मिठाई और नमकीन तैयार करने के लिए अर्ध –स्वचलित खाद्य प्रसंस्करण उपकरण विकसित किया। इस पेटेंट की मंजूरी पर डॉ. प्रबीर सरकार और उनके समूह का अभिनंदन।

शीर्ष "75 अंडर 50"

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर भा.प्रौ.सं. रोपड़ के डॉ. राजेश वी. नायर का शीर्ष "75 अंडर 50" में स्थान प्राप्त किए जाने पर अभिनंदन। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने विज्ञान प्रसार द्वारा प्रकाशित एक कॉफी टेबल पुस्तक "75 अंडर 50 साइंटिस्ट्स शेपिंग टुडेज इंडिया" का विमोचन किया।

आई.ई.आई. (IEI) यंग इंजीनियर्स पुरस्कार 2021-22

अभिनंदन! डॉ. नेहा सरदाना को इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स (भारत) के धातुकी एवं पदार्थ अभियांत्रिकी प्रभाग के तहत आईईआई यंग इंजीनियर्स पुरस्कार 2021-22 प्राप्त करने हेतु बधाई।

रॉयल सोसाइटी आफ केमिस्ट्री की अध्येता

डॉ. थारामनी. सी., रसायन विभाग का "लीडर इन द फील्ड" योजना के माध्यम से रॉयल सोसाइटी आफ केमिस्ट्री के अध्येता के रुप में भर्ती होने पर हार्दिक अभिनंदन।

समझौता ज्ञापन

कनाडा के सास्काचेवान यूनिवर्सिटी (University of Saskatchewan) के साथ समझौता ज्ञापन

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने छात्रों, संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं, संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों तथा सहयोगी अनुसंधान के आदान-प्रदान के लिए दोनों संस्थानों के बीच आपसी सहयोग हेतु कनाडा के सास्काचेवान यूनिवर्सिटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

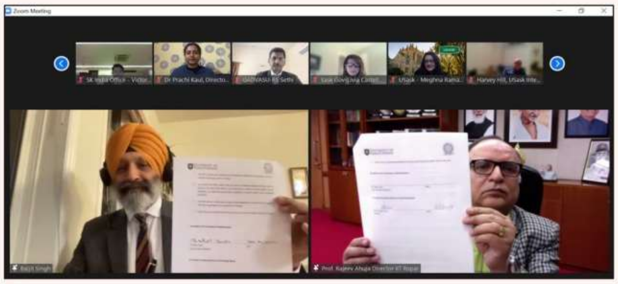

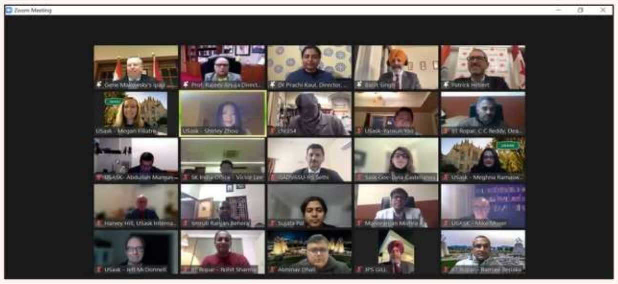

जनगणना कार्य निदेशालय के साथ समझौता ज्ञापन

जनगणना कार्य निदेशालय पंजाब ने आकंड़ा विश्लेषण हेतु शोधकर्ताओं के लिए जनगणना आंकड़ा अनुसंधान कार्य केंद्र स्थापित करने के लिए भा.प्रौ.सं. रोपड़ के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। डॉ. अभिषेक जैन, आईएएस, निदेशक, जनगणना कार्य पंजाब ने इस सहयोग को औपचारिक रुप दिया।

एसबीएल (SBL) स्पेशलिटी कोटिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने सीएसआर पहल के तहत पीएच.डी. छात्रों को अध्येतावृत्ति प्राप्त करने के लिए अनुदान हेतु एसबीएल स्पेशलिटी कोटिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

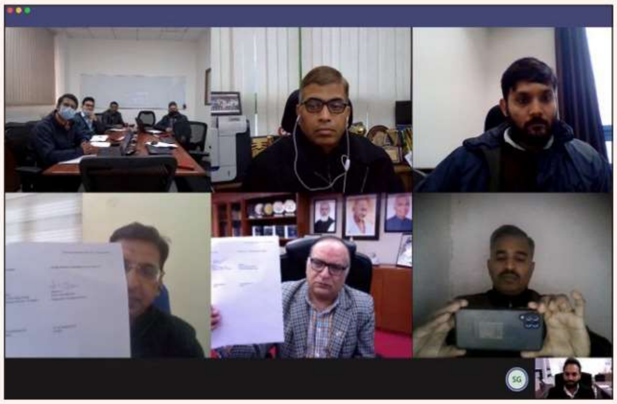

गीता एवं सुशील कुमार दास फाउंडेशन के साथ सहयोग

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने रुमेडीएड आर्थराइटिस और आईबीडी रोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का समाधान करने हेतु गीता एवं सुशिल कुमार दास फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाया है। यह सहयोग स्वास्थ्य संबंधी नवाचारों के द्रुत गति से विस्तार का समर्थन करेगा।

आयोजन

73वां गणतंत्र दिवस का आयोजन

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने भारत के नागरिकों को 73वें गणतंत्र दिवस की बधाईयां और शुभकामनाएं दी। भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने कोविड़-19 के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए यह गणतंत्र दिवस का समारोह पूरे उत्साह के साथ मनाया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने विभिन्न ऑफलाइन और ऑनलाइन गतिविधियों / कार्यक्रमों के आयोजन के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर को चिह्नित करने हेतु "पूर्वाग्रह को तोड़ेः विभिन्न भूमिकाओं में महिलाएं और लिंग पूर्वाग्रह" विषय पर एक आनलाइन पैनल चर्चा भी आयोजित की गई। भा.प्रौ.सं. रोपड़ परिवार के सदस्यों के लिए आत्मरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह पहल ऐसे समय में आई है जब महिला सशक्तिकरण समय की मांग है। जीवन रक्षक आत्मरक्षा कौशल सीखना सशक्तिकरण का एक अनिवार्य अंग है, जो आत्मविश्वास पैदा करता है और महिलाओं में स्वतंत्रता, सुरक्षा की मजबूत भावना सुनिश्चित करता है।

संसाधन विकास

संस्थान द्वारा पुस्तकालय और सभागार खंड को प्रचालनशील बनाया जा रहा है।। इस भवन का कुल क्षेत्रफल 5842 वर्गमीटर है और सभागार खंड की कुल क्षमता 773 व्यक्तियों की है। पिछली तिमाही के दौरान छात्रावासों के कार्यों में भी प्रगति हुई है। 520 क्षमता का पुरुष छात्रावास निर्माण के उन्नत चरण में है जिसे आगामी महिनों में संस्थान को सौंप दिया जाएगा।

गणतंत्र दिवस पर देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन

73वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य पर भा.प्रौ.सं. रोपड़ के हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा आनलाइन माध्यम से देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता संस्थान के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी जिसमें विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने सहभागिता ली।

इस प्रतियोगिता का शुभारंभ हिंदी प्रकोष्ठ के संकाय प्रभारी डॉ. अभिषेक तिवारी द्वारा की गई। अपने स्वागत भाषण में डॉ. अभिषेक तिवारी ने देशभक्तिपरक गीत भी प्रस्तुत किया जो प्रतिभागी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना।

इस प्रतियोगिता में संस्थान के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने अपने देशभक्तिपक गीतों से पूरा वातावरण गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देशभक्ति के रंग में रंग दिया। कुछ प्रतिभागियों ने स्वरचित को कुछ ने अन्यों की कविताओं एवं गीतों की प्रस्तुति से देश के प्रति अपनी निस्वार्थ भावनाओं को प्रकट किया।

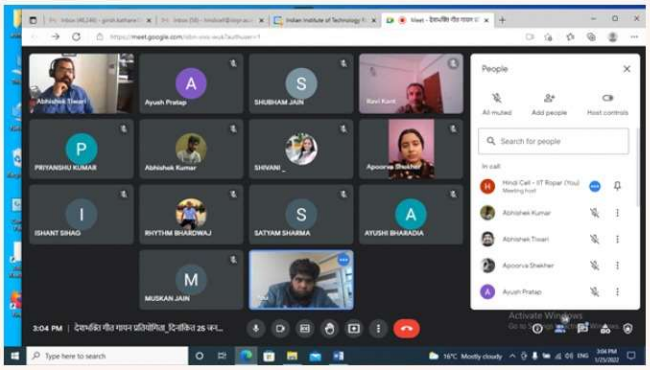

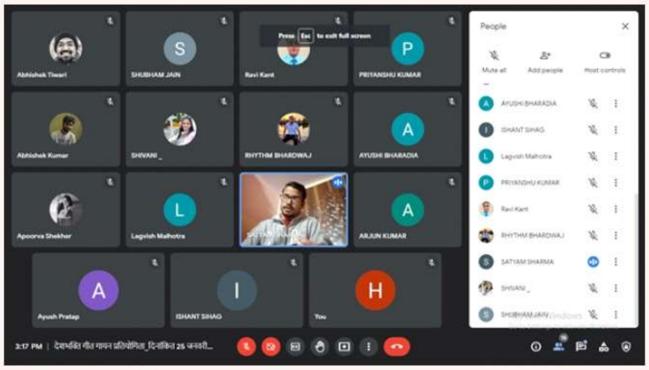

प्रतियोगिता के अंतिम चरण में, प्रतियोगिता के परीक्षक के रुप में पधारे यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रवि कांत ने अपने विचारों को अभिव्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागियों की प्रशंसा की।

इस प्रतियोगिता में कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के श्री इशांत सिहाग और सुश्री शिवानी को क्रमशः प्रथम पुरस्कार और द्वितीय पुरस्कार हेतु चयनित किया गया वहीं भौतिकी विभाग के श्री रिदम भारद्वाज को तृतीय पुरस्कार हेतु चयनित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन संस्थान के हिंदी अनुवादक डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे ने किया।

श्रीमती अमृता प्रीतम हिंदी व्याख्यानमाला (प्रथम व्याख्यान)

हिंदी प्रकोष्ठ, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ ने श्रीमती अमृता प्रीतम हिंदी व्याख्यानमाला का नववर्ष 2022 के उपलक्ष्य पर शुभारंभ करते हुए माह जनवरी 2022 में एक व्याख्यान का आयोजन किया। श्रीमती अमृता प्रीतम हिंदी व्याख्यानमाला के अंतर्गत दिनांक 27 जनवरी 2022 को नेतृत्व प्रबंधनः भगवत् गीता के संदर्भ में विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। इस अवसर पर उक्त विषय पर व्याख्यान देने हेतु यूको बैंक की वरिष्ठ राजभाषा प्रबंधक डॉ. हेमलता को विशेष रुप से आमंत्रित किया गया था।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा ने उद्घाटन संबोधन से अमृता प्रीतम हिंदी व्याख्यानमाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रोफेसर आहूजा ने सभी उपस्थितों के साथ अपने विचार साझा करते हुए कहा कि राजभाषा हिंदी का विकास में हिंदी के साहित्य का महती भूमिका है। और यह व्याख्यानमाला हिंदी साहित्य के विभिन्न पहलूओं पर प्रकाश डालते हुए हिंदी भाषा के प्रति संस्थान तथा संस्थान से इतर सदस्यों में जागरुकता पैदा कर इनके ज्ञान में वृद्धि करने के साथ साथ हिंदी भाषा के प्रति प्रेम और निजता का भाव भी पैदा करने में एक बड़ी भूमिका का निर्वहन करेगी।

इस अवसर पर संस्थान के यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर नवीन कुमार ने आमंत्रित वक्ता महोदया, संस्थान के निदेशक महोदय तथा सभी उपस्थितों का औपचारिक स्वागत किया।

इस अवसर पर संस्थान के विभिन्न विभागों/अनुभागों/प्रकोष्ठ आदि के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। साथ ही नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति रुपनगर के सदस्य कार्यालयों से भी सदस्यों ने अपनी सहभागिता दर्ज की।

आमंत्रित वक्ता महोदया ने इस अवसर पर सभी के समक्ष अपने विचारों को साझा करते हुए संबंध में भगवत् गीता में उल्लिखित नेतृत्व प्रबंधन के विभिन्न पहलूओं पर प्रकाश ड़ाला।

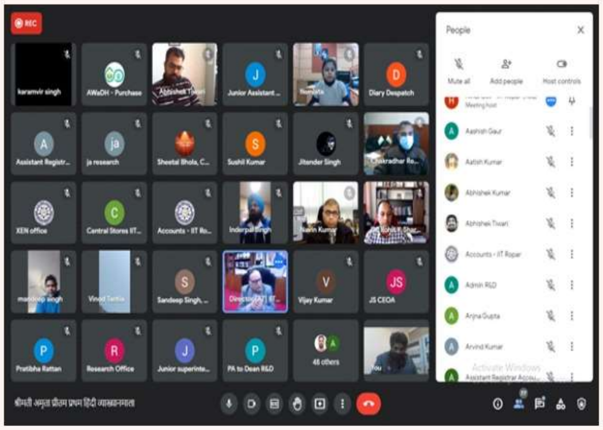

इस अवसर पर हिंदी प्रकोष्ठ के संकाय प्रभारी डॉ. अभिषेक तिवारी ने आमंत्रित वक्ता महोदय के द्वारा रखे विचारों पर एक समग्र एवं संक्षिप्त पुनर्व्याख्या के साथ सभी उपस्थितों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कुल 92 सदस्यों ने इस इस व्याख्यानमाला का लाभ लिया। इस व्याखानमाला का संचालन संस्थान के हिंदी अनुवादक डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे ने किया।

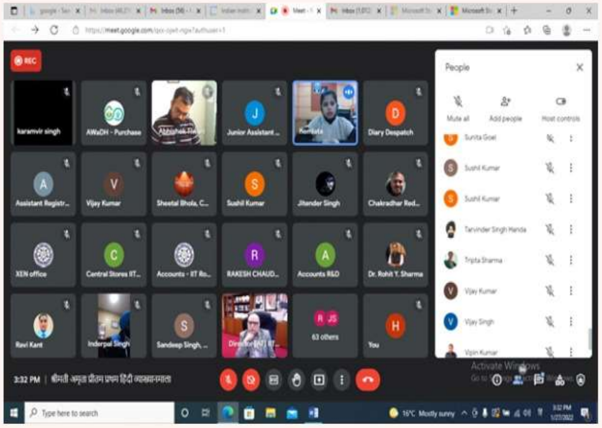

श्रीमती अमृता प्रीतम हिंदी व्याख्यानमाला (द्वितीय व्याख्यान)

हिंदी प्रकोष्ठ, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ ने श्रीमती अमृता प्रीतम हिंदी व्याख्यानमाला के अंतर्गत दिनांक 24 फरवरी 2022 को पंजाब के हिंदी उपन्यास में चित्रित पंजाबी जनजीवन विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। इस अवसर पर उक्त विषय पर व्याख्यान देने हेतु गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर के हिंदी विभाग की प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष प्रो. सुधा जितेन्द्र को विशेष रुप से आमंत्रित किया गया था।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ का प्रथम स्थापना दिवस के कार्यक्रम के अंग के रुप में इस व्याख्यानमाला को आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा, भा.प्रौ.सं. रोपड़ के अधिशासी मंडल के अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष, इसरो (ISRO) डॉ. के. राधाकृष्णन आदि मान्यवरों के साथ अन्य गणमान्य विभूतियां भी इस व्याख्यान की साक्षी बनी।

यह व्याख्यानमाला हिंदी साहित्य के विभिन्न पहलूओं पर प्रकाश डालते हुए हिंदी भाषा के प्रति संस्थान तथा संस्थान से इतर सदस्यों में जागरुकता पैदा कर इनके ज्ञान में वृद्धि करने के साथ-साथ हिंदी भाषा के प्रति प्रेम और निजता का भाव भी पैदा करने के उद्देश्य से आरंभ की गई थी।

आमंत्रित वक्ता महोदया ने हिंदी भाषा और साहित्य पर अपने विचार साझा करते हुए हिंदी साहित्य में पंजाबी साहित्यकारों के योगदान पर प्रकाश डालते हुए इन साहित्यकारों की रचनाओं में चित्रित पंजाबी जनजीवन पर सभी के साथ अपने विचार साझा किए।

आमंत्रित वक्ता महोदय ने अपने वक्तव्य में कहा कि भले ही हम तमाम तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी क्षमता प्राप्त कर लें किंतु इन हमारी इन तमाम प्रौद्योगिकी उपलब्धियों के पश्चात भी संस्कार का सॉफ्टवेयर बनाना असंभव है। साथ ही, आमंत्रित वक्ता महोदया ने कहा कि पंजाब, पंजाबी और पंजाबीयत को समझना है तो "गुरु ग्रंथ साहिब जी" की चर्चा के बगैर इसे नहीं समझा जा सकता।

इस अवसर पर संस्थान के सभी अधिष्ठाता, सह अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्षों के साथ साथ सभी संकाय सदस्य, कर्मचारीगण तथा विद्यार्थी बड़ी संख्या में आनलाइन माध्यम से उपस्थित थे।

दिनांक 09 मार्च को नराकास संगोष्ठी

जिला अग्रणी बैंक, यूको बैंक ने नराकास रुपनगर के संयुक्त तत्वावधान में भारत @ 75 वर्ष और उसके आगे संदर्भ समाज एवं प्रौद्योगिकी विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। यह संगोष्ठी दिनांक 09 मार्च 2022 को आयोजित की गई। इस संगोष्ठी में विषय पर मार्गदर्शन करने हेतु भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा जी को आमंत्रित किया गया।

प्रो. राजीव आहूजा, निदेशक, आई.आई.टी. रोपड़ का सम्मान करते हुए

श्रीमती सीमा कौशल प्रो. राजीव आहूजा, मुख्य वक्ता के संबंध में सभी को जानकारी देते हुए

आमंत्रित वक्ता महोदय के संबोधन के पूर्व श्रीमती सीमा कौशल, एन.एफ.एल. नंगल ने प्रो. राजीव आहूजा जी के कार्यकाल पर सारांश वक्तव्य प्रस्तुत किया।

प्रो. राजीव आहूजा जी ने विषय पर अपने विचार साझा करते हुए आज के समय में समाज और समाज की उन्नति हेतु तकनीक और प्रौद्योगिकी किस प्रकार सहायिका के रुप में कार्य कर सकती है इस पर सभी का ध्यान विशेष रुप से आकृष्ट किया। साथ ही प्रो. आहूजा ने पंजाब राज्य जो कि मुख्य रुप से कृषिप्रधान राज्य है, इसकी कृषि संबंधि तमाम समस्याओं के समाधान और कृषि की उर्वरता पर संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्य एवं अनुसंधान पर भी जानकारी साझा की।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता यूको बैंक के अंचल प्रबंधक श्री मनमीत एस. व्यास ने की। इस अवसर पर श्री व्यास ने भी अपने विचार साझा किए।

इसी संगोष्ठी में नराकास रुपनगर के अध्यक्ष श्री राजिन्द्र कुमार जसरोटिया को इनकी सेवानिवृत्ति पर श्रीफल, शॉल एवं स्मृतिचिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष नराकास को सम्मानित करने के पूर्व भा.प्रौ.सं. रोपड़ के हिंदी अनुवादक डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे ने श्री जसरोटिया महोदय का नराकास के अध्यक्ष के रुप में कार्य का सारांश साझा किया।

डॉ. गिरीश कठाणे, हिंदी अनुवादक, भा.प्रौ.सं. रोपड़ अध्यक्ष नराकास के कार्यकाल पर वक्तव्य देते हुए

श्री राजिन्द्र जसरोटिया का सम्मान करते हुए

श्री राजिन्द्र जसरोटिया अपने विचार साझा करते हुए

श्री जसरोटिया जी ने अपने व्यक्तव्य में नराकास रुपनगर के अध्यक्ष के रुप में कार्य करते हुए जो अनुभव प्राप्त हुए उनपर अपने विचार साझा किए। साथ ही, नराकास रुपनगर को अपने उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी।

इस अवसर पर, विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर यूको बैंक द्वारा दिनांक १० जनवरी, २०२२ आयोजित हिंदी ज्ञान और पहचान प्रतियोगिता तथा एन.एफ.एल. नंगल द्वारा दिनांक ०४ मार्च २०२२ को आयोजित शब्द ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

हिंदी टाइपिंग के 63वें सत्र (फरवरी-जुलाई 2022) के पंजीकृत सदस्यों हेतु 4 दिवसीय आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ के 09 सदस्य केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किए जा रहे हिंदी शब्द संसाधन (हिंदी टाइपिंग) प्रशिक्षण कार्यक्रम में 63वें सत्र हेतु पंजीकृत किए गए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि माह फरवरी 2022 से जुलाई 2022 तक है तथा इसकी परीक्षा माह जुलाई 2022 में प्रस्तावित है।

इस सत्र की परीक्षा को केंद्र में रखकर संस्थान के पंजीकृत सदस्यों की तैयारी को बेहतर बनाने के उद्देश्य से हिंदी प्रकोष्ठ ने दिनांक 07 मार्च से 10 मार्च 2022 तक 04 दिवसीय आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रुप में श्री अरविंद कुमार, सहायक निदेशक, हिंदी टंकण एवं आशुलिपि प्रशिक्षण केंद्र, हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, चण्डीगढ़ केंद्र को आमंत्रित किया गया था।

दिनांक ०७ मार्च २०२२ को संपन्न आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम सत्र में प्रशिक्षक महोदय ने प्रशिक्षणार्थियों को हिंदी कुंजीपटल का परिचय एवं इसकी व्यावहारिकता पर प्रशिक्षार्थियों का मार्गदर्शन किया। दिनांक ०८ मार्च २०२२ को आयोजित द्वितीय सत्र मुख्य रुप से व्याकरणिक चिन्हों का अभ्यास, गति अभ्यास आदि, विषयों पर केंद्रित रहा। दिनांक ०९ मार्च २०२२ का सत्र सारणी बनाना तथा सारणी बनाते हुए ध्यान रखे जाने वाले बिंदु, विभिन्न पत्रों का टंकण आदि के समावेश के साथ संपन्न हुआ तथा दिनांक १० मार्च २०२२ को संपन्न अंतिम सत्र में हस्तलेख पर मार्गदर्शन करते हुए विभिन्न प्रूफ शोधन चिन्हों की पहचान तथा चारों सत्रों का पुनरावलोकन किया।

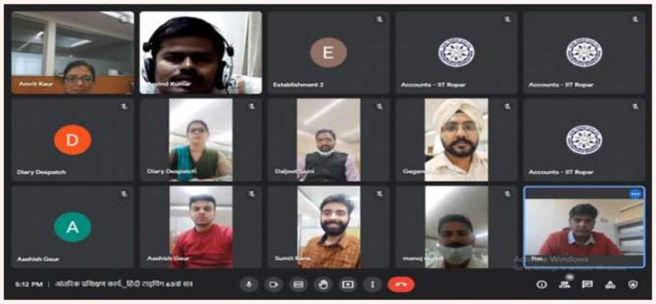

इस आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के चतुर्थ एवं अंतिम सत्र में संस्थान के हिंदी अधिकारी श्री लगवीश कुमार ने श्री अरविंद कुमार, सहायक निदेशक का धन्यवाद ज्ञापित किया और सभी प्रशिक्षणार्थियों को परीक्षा में उत्तम अंकों से उत्तीर्ण होने हेतु शुभकामनाएं दी।

अंत में, सभी प्रशिक्षणार्थियों ने इस ४ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में अपने विचारों को अभिव्यक्त किया और सभी ने श्री अरविंद कुमार, सहायक निदेशक महोदय का बहुत ही सरलता के साथ हिंदी टाइपिंग के विविध पक्षों पर मार्गदर्शन एवं अभ्यास कराने हेतु धन्यवाद किया।

उपलब्धि

केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित हिंदी शब्द संसाधन (हिंदी टाइपिंग) पत्राचार प्रशिक्षण का ६२वां सत्र (अगस्त २०२१ से जनवरी २०२२) की माह जनवरी २०२२ में संपन्न परीक्षा में संस्थान के निम्न दो सदस्य प्रथम विशेष श्रेणी में उत्तीर्ण हुए।

श्री सौरभ भाटिया, कनि. सहायक, भंडार एवं क्रय

सुश्री पूनम, वरिष्ठ सहायक, शैक्षणिक अनुभाग

श्रीमती अमृता प्रीतम हिंदी व्याख्यानमाला (तृतीय व्याख्यान)

हिंदी प्रकोष्ठ, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ ने श्रीमती अमृता प्रीतम हिंदी व्याख्यानमाला के अंतर्गत दिनांक 23 मार्च 2022 को संत कबीर और आज का समाज विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। इस अवसर पर उक्त विषय पर व्याख्यान देने विषय विशेषज्ञ के रुप में सुरेन्द्रनाथ सांध्य कॉलेज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के हिंदी विभाग के पूर्व एसो. प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी को विशेष रुप से आमंत्रित किया गया था।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ द्वारा आयोजित इस तृतीय व्याख्यानमाला में संस्थान के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा विशेष रुप से उपस्थित थे।

यह व्याख्यानमाला संत कबीर और उनके विचारों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

आमंत्रित वक्ता महोदय ने हिंदी साहित्य में संत कबीर के योगदान और महत्व पर सभी के समक्ष एक संक्षिप्त विवेचन प्रस्तुत किया। आमंत्रित वक्ता महोदय ने संत कबीर के विभिन्न दोहों के माध्यम से संत कबीर की वाणी और उसकी आज के समय में प्रासंगिकता को इंगित किया।

आमंत्रित वक्ता महोदय के वक्तव्य के पश्चात संस्थान के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा ने सर्वप्रथम डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी का धन्यवाद ज्ञापित किया कि उन्होंने अपने व्यस्त समय में से इस कार्यक्रम में अपने संबोधन से सभी को लाभान्वित किया। प्रो. राजीव आहूजा ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि साहित्य केवल रसास्वादन का विषय न होकर वह समाज को बेहतर बनाने का एक माध्यम भी है और कबीर और उनकी रचनाएं इसका अप्रतिम उदाहरण है।

इस अवसर पर संस्थान के अधिष्ठाता प्रो. सी. सी. रेड्डी ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आमंत्रित वक्ता महोदय, संस्थान के निदेशक महोदय तथा उपस्थित सभी श्रोताओं का अपनी उपस्थिति से इस व्याख्यानमाला को सफल बनाने में सहयोग देने हेतु आभार व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम का संचालन हिंदी प्रकोष्ठ के संकाय प्रभारी डॉ. अभिषेक तिवारी ने किया।

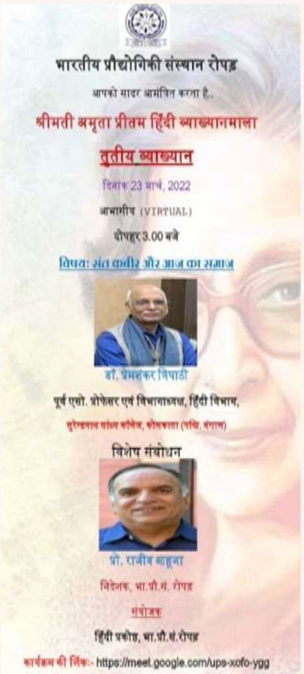

हिंदी कार्यशाला का आयोजन (दिनांक 24 मार्च 2022)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ के हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 24 मार्च 2022 को हिंदी में टिप्पण लेखनः समस्या और समाधान विषय पर आनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर संस्थान सदस्यों को उक्त विषय पर मार्गदर्शन करने हेतु केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त निदेशक महोदय श्रीमती पूनम ओसवाल को आमंत्रित किया गया था।

इस आनलाइन कार्यशाला की शुरुवात संस्थान के हिंदी अधिकारी श्री लगवीश कुमार द्वारा स्वागत भाषण से हुई। श्री लगवीश कुमार ने आमंत्रित वक्ता महोदया श्रीमती पूनम ओसवाल, संस्थान के कुलसचिव श्री रविंदर कुमार तथा उपस्थित सभी कर्मचारियों का स्वागत किया।

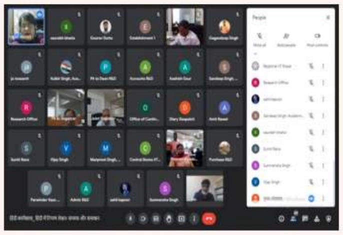

इस कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता महोदया ने हिंदी में टिप्पण लिखते समय आम तौर पर आनेवाली समस्याओं को चिन्हित करते हुए इनके समाधान विशेष रुप से सरल समाधान पर अपने विचार रखें। साथ ही श्रीमती पूनम ओसवाल महोदया ने सभी से हिंदी टिप्पण लेखन करने की अपील की।

अपने विचार साझा करते हुए आमंत्रित वक्ता महोदया ने सभी के साथ वार्तालाप किया, सभी की समस्याओं को सुना तथा उनक समस्याओं का समाधान भी प्रस्तुत किया।

अंत में संस्थान के कुलसचिव श्री रविंदर कुमार ने आमंत्रित वक्ता महोदया का इस महत्वपूर्ण विषय पर संस्थान सदस्यों का मार्गदर्शन करने तथा हिंदी में टिप्पण लिखने हेतु सभी को प्रेरित करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

संरक्षक संपादक
प्रो. राजीव आहूजा
निदेशक,
भा.प्रौ.सं.रोपड़

परामर्शदाता संपादक
डॉ. अभिषेक तिवारी
संकाय प्रभारी (हिन्दी)

श्री लगवीश कुमार
हिन्दी अधिकारी तथा संयुक्त कुलसचिव
भा.प्रौ.सं.रोपड़

संपादक
डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे
हिन्दी अनुवादक,
भा.प्रौ.सं.रोपड़

अभिकल्प, प्रकाशन एवं मुद्रण
सुश्री प्रीतेंदर कौर
जनसंपर्क अधिकारी, भा.प्रौ.सं.रोपड़
संपादन सहयोग
श्री ऋतभ किशोर
छात्र समन्वयक (संगम पत्रिका),
पीएच. डी. शोधार्थी, यांत्रिक अभि. विभाग, भा.प्रौ.सं.रोपड़